"अनुदानित तथा प्राइवेट बी0एड0 संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन"

शुभम पंवार
शोधार्थी
शिक्षाशास्त्र विभाग
आईएफटीएम विश्वविद्यालय
मुरादाबाद

डॉ बिन्दु सिंह
सहायक प्रोफेसर
शिक्षाशास्त्र विभाग
आईएफटीएम विश्वविद्यालय,
मुरादाबाद

सारांश

अनुदानित तथा प्राइवेट बी0एड0 संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन के माध्यम से हम समझ सकते हैं कि कैसे ये शिक्षक अपने कार्य को निष्ठापूर्वक और प्रोफेशनली करते हैं, ताकि वे छात्रों को उच्चतम शिक्षा प्रदान कर सकें। शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण हिस्सा उनके विषय–संबंधित ज्ञान और कौशल होता है। वे अपने विषय को समझते हैं और उसे छात्रों को सीखने में सहायक बनाने के लिए उपयोगी तरीकों से प्रस्तुत करते हैं। व्यवसायिक शिक्षक शैक्षणिक नीतियों का सख्ती से पालन करते हैं और संस्थान के उद्देश्यों और मिशन के साथ मिलाते हैं। शिक्षक संगठनात्मक कौशल का प्रदर्शन करते हैं, जैसे कि समय प्रबंधन, कक्षा के संचालन, और छात्रों की प्रगति को निरीक्षण करना। छात्रों, अभिभावकों, और सह–कर्मचारियों के साथ अच्छे संबंध बनाते हैं और संचार कौशल का प्रदर्शन करते हैं। नैतिकता और नैतिक मूल्यों का पालन करते हैं और छात्रों को भी इसका महत्व सिखाते हैं। इन सभी पाये गए विशेषताओं के संयोजन से, व्यवसायिक शिक्षक अपने कार्य को संवेदनशीलता और प्रोफेशनलिज्म के साथ निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हैं और छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करते हैं। शोध से

प्राप्त निष्कर्ष – अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

मुख्यशब्द – अनुदानित तथा प्राइवेट बी0एड0 संस्थान, शिक्षक, व्यवसायिक प्रतिबद्धता

प्रस्तावना

अनुदानित और निजी बीएड संस्थानों में काम करने वाले शिक्षकों की भूमिका और महत्व प्राधान्यपूर्ण है। ये शिक्षक समाज में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं और छात्रों के शिक्षा सम्बंधी अनुभव को समृद्ध करने में सहायक होते हैं। ये शिक्षक छात्रों को विभिन्न विषयों में शिक्षा प्रदान करते हैं, जिसमें शिक्षा संबंधी नवीनतम तकनीकों और मेथोडों का उपयोग शामिल होता है। उनका ध्यान विशेष रूप से छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर होता है, और वे छात्रों के रूचिकर शैली को समझते हैं ताकि वे सबसे अच्छे तरीके से सीख सकें। इन शिक्षकों का एक और महत्वपूर्ण कार्य उनके छात्रों के साथ उच्च स्तर की संवादना बनाए रखना है। वे छात्रों के साथ प्राथमिकताएं स्थापित करते हैं और उन्हें उनके शैक्षिक लक्ष्यों की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। ये शिक्षक भी छात्रों के प्रदर्शन का प्रतिक्रियात्मक अनुगामी होते हैं और उन्हें स्वयं से सीखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उनका मार्गदर्शन छात्रों को स्वतंत्रता और स्वाध्याय की भावना विकसित करने में मदद करता है, जो उनके शिक्षा संबंधी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। अनुदानित और निजी बीएड संस्थानों में काम करने वाले शिक्षक विभिन्न छात्रों के साथ अनुभव, विचार और विशेषज्ञता का संचार करते हैं, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता का बढ़ना संभव होता है। उनका योगदान शिक्षा संबंधी क्षमता और समर्थन में महत्वपूर्ण है, जिससे छात्र समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर हो सकते हैं।

कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक गुण है जो उन्हें अपने कार्य में सफल बनाता है। यह न केवल उनके

व्यक्तित्व को मजबूत बनाता है, बल्कि उन्हें छात्रों के साथ संबंध बनाए रखने और उनकी शिक्षा में सक्षमता को बढ़ाने में भी मदद करता है।

पहले, व्यवसायिक प्रतिबद्धता शिक्षक के कार्य में संवेदनशीलता और समर्पण की भावना को जारी रखने का माध्यम होती है। एक प्रतिबद्ध शिक्षक अपने कार्य के प्रति संवेदनशील होता है और उनके पास छात्रों की शिक्षा में उच्चतम स्तर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का आत्मसाक्षात्कार होता है।

दूसरे, व्यवसायिक प्रतिबद्धता उनकी क्षमता को बढ़ाती है शिक्षा में नवीनतम तकनीकों, मेथडों, और शैलियों का अध्ययन करने के लिए। शिक्षा क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहा है, और एक प्रतिबद्ध शिक्षक नए अवसरों का शोध करता है और अपनी प्रैक्टिस को समृद्ध करने के लिए तैयार रहता है।

तृतीय, व्यवसायिक प्रतिबद्धता शिक्षक के लिए छात्रों के शिक्षा संबंधी लाभ को सर्वोत्तम तरीके से प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण होती है। एक प्रतिबद्ध शिक्षक अपने छात्रों के प्रदर्शन का प्रतिस्पर्धी अवलोकन करता है और उन्हें उनकी शिक्षा में सुधार करने के लिए निरंतर प्रेरित करता है।

सम्भवतः, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यवसायिक प्रतिबद्धता शिक्षक को अपने कार्य में संतुष्टि और आत्म–संघर्ष में रखता है, जो उन्हें छात्रों की शिक्षा में अधिक उत्साही और सक्षम बनाता है। एक प्रतिबद्ध शिक्षक अपने कार्य में निरंतरता और प्रोफेशनलिज्म का प्रदर्शन करता है, जिससे उनके छात्रों को भी आदर्श बनाने में मदद मिलती है।

यह अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता को समझने में मदद कर सकता है और उनके कार्य को सुधारने में मदद कर सकता है। इस अध्ययन में उनकी प्रतिबद्धता, क्षमता, और कर्तव्यों को निर्धारित करने में सहायक हो सकता है। इससे न केवल शिक्षकों की स्थिति समझी जा सकती है, बल्कि यह भविष्य में उनकी प्रतिबद्धता को बढ़ाने और संस्थान के स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए नीतियों को तैयार करने में भी मदद मिल सकती है।

आवश्यकता एवं महत्व

अनुदानित और निजी शिक्षा संस्थानों में काम करने वाले शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उनके कार्य की गुणवत्ता और प्रभावता में सुधार हो सकती है। यह अध्ययन उनकी क्षमताओं, कौशलों, और प्रोफेशनल अभिवृद्धि को समझने में मदद करता है ताकि वे अपने क्षेत्र में सक्षमतापूर्वक काम कर सकें। एक अच्छे शिक्षक की व्यवसायिक प्रतिबद्धता से उनके शिक्षण कौशल, पाठ योजना, और विद्यार्थी को गहरे समझने की क्षमता में सुधार होता है, जिससे शिक्षा का स्तर उन्नति करता है। एक प्रतिबद्ध और पेशेवर शिक्षक संस्थान की छवि और प्रतिष्ठा को बढ़ाता है। उनके अच्छे कार्य से छात्रों, अभिभावकों, और समुदाय के साथ संबंध मजबूत होते हैं। एक व्यवसायिक शिक्षक अपने क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी और शैक्षिक उत्कृष्टता के स्तर को बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। अच्छे शिक्षकों की मौजूदगी संस्था में स्थिरता और निरंतरता को बढ़ाती है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और संगठन की सामर्थ्य में सुधार होता है। शिक्षक अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से छात्रों के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति को विकसित करता है, जो उनके शैक्षिक अनुभव को सुधारता है। उच्च स्तर के व्यवसायिक शिक्षकों की मौजूदगी संगठन की वित्तीय स्थिरता को बढ़ाती है क्योंकि वे अक्सर छात्रों को आकर्षित करते हैं और छात्रों के प्रदर्शन में सुधार करते हैं, जो फिर से संगठन की लाभकारीता को बढ़ाता है। व्यवसायिक प्रतिबद्धता के अध्ययन से निजी और अनुदानित शिक्षा संस्थानों में काम करने वाले शिक्षकों की क्षमताओं और संस्थान के कार्य की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है और इससे शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक उत्कृष्टता और समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ा सकता है।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

निम्नलिखित विद्यार्थियों ने प्रस्तुत विषयों को शोध का विषय बनाया है जिसमें राजेश कुमार (2014), तौसीफ (2015), कुमदिनी (2016), चौधरी (2017), सैफी (2018) और दूबे चन्द्र (2019) आदि प्रमुख है।

समस्या कथन

"अनुदानित तथा प्राइवेट बी0एड0 संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध अध्ययन के उद्देश्य

- अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।
- अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।
- अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनायें

- अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।
- अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।
- अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान लघु शोध हेतु 100 शिक्षिकाओं को शामिल किया गया है।

उपकरण

व्यवसायिक प्रतिबद्धता – डा0 रविन्द्र कौर, डा0 सर्वजीत कौर रानू एवं सर्वजीत कौर वरार द्वारा निर्मित मानकीकृत परीक्षण।

परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पनायें क्रमांक 1 :– अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 1

अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

शिक्षक	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
अनुदानित	50	262.31	22.04	1.48	***
प्राइवेट	50	265.22	21.18		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :–

तालिका संख्या 1 में अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है। तालिका में अनुदानित बी. एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन 262.31 एवं 22.04 प्राप्त हुआ है प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत

शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 265.22 एवं 21.18 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रन्तिक अनुपात का मान 1.48 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर (0.01 एवं 0.05) से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना क्रमांक 2 :– अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 2

अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

पुरुष शिक्षक	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
अनुदानित	25	261.06	21.47	1.41	***
प्राइवेट	25	264.93	21.65		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :–

तालिका संख्या 2 में अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है। तालिका में अनुदानित बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन 261.06 एवं 21.47 प्राप्त हुआ है जबकि प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक

विचलन क्रमशः 264.93 एवं 21.65 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रन्तिक अनुपात का मान 1.41 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर (0.01 एवं 0.05) से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना क्रमांक 3 :– अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 3

अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

महिला शिक्षक	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
अनुदानित	25	260.86	21.35	1.47	***
प्राइवेट	25	264.83	21.25		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :–

तालिका संख्या 3 में अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है। तालिका में अनुदानित बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन 260.86 एवं 21.35 प्राप्त हुआ है जबकि प्राइवेट बी. एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान,

मानक विचलन क्रमशः 264.83 एवं 21.25 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रन्तिक अनुपात का मान 1.47 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर (0.01 एवं 0.05) से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

निष्कर्ष

1. अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
2. अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
3. अनुदानित तथा प्राइवेट बी.एड. सस्थानों में कार्यरत महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- अस्थाना, डॉ0 विपिन व श्वेता अस्थाना : मनोविज्ञान व शिक्षा में मापन व मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 2005, पृ0सं0–440, 452.
- आर.ए. शर्मा : शिक्षा एवं मनोविज्ञान में परा एवं अपरा सांख्यिकी, आर0लाल0 बुक डिपों मेरठ, पृ0सं0–280.
- एफ0एन0 करलिंगर : फाउंडेशन ऑफ बिहेवियरल रिसर्च, न्यूयार्क, हॉल्ड रिनीहार्ट एण्ड विलसन, 1959, पृ0–20.
- गोयल डा0 अनिल : ''हिन्दी कहानी में नारी की भूमिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ– 173.
- गुप्ता प्रो0 एस0पी0: अनुसंधान संदिर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ0–65, 110, 111, 269, 346.

- डॉ0 पाण्डेय के0पी0 : शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2006, पृ0–112–113.
- डॉ0 कपिल एच0के0 : सांख्यिकी के मूल तत्व, एच0पी0 भार्गव हऊस, आगरा, 2006.
- डॉ0 रायजादा बी0एस0 : शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर, पृ0–158.